भजन

गुनाह तो जब हो जो हम तुम्हारे अंग ना हो
हमारे दिल मे हो आप तो गुनाह कैसे कहें

1 मेरी रूह है तुम्हारे चरण ऐ मेरे धनी
चरण जिस दिल मे हो तो गुनाह कैसे कहें

2 भुलाया तुमने था याद भी तुम्ही दिलाते हो
सब कुछ हो तुम ही तुम तो गुनाह कैसे कहें

3 ये बात रूह की है रूह से तुम्ही कही है खसम
गुनाह रूह को कहें तो गुनाह कैसे कहें